SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधनों एवं सेवाओं का उपयोग : एक अध्ययन

डॉ. चन्द्रसेन जांगड़े
सहायक प्राध्यापक, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग,
डॉ. सी. व्ही. रामन विश्वविद्यालय, करगी रोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)
Gmail. drchandrasenjangde@gmail.com

सारांश

वर्तमान डिजिटल युग में महाविद्यालयीन पुस्तकालयों की भूमिका पारंपरिक पुस्तक एवं पत्रिका केंद्रित व्यवस्था से आगे बढ़कर डिजिटल सूचना संसाधनों, ई–पुस्तकों, ई–जर्नलों, ऑनलाइन डेटाबेस, इंटरनेट आधारित सेवाओं तथा पुस्तकालय स्वचालन तक विस्तृत हो गई है। छत्तीसगढ़ राज्य में उच्च शिक्षा संस्थानों एवं महाविद्यालयों की संख्या में वृद्धि के साथ पुस्तकालय सेवाओं के आधुनिकीकरण की आवश्यकता भी बढ़ी है। प्रस्तुत शोध–पत्र का उद्देश्य छत्तीसगढ़ के चयनित महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में उपलब्ध डिजिटल संसाधनों, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं, पुस्तकालय स्वचालन तथा उपयोगकर्ताओं की जागरूकता का अध्ययन करना है।

प्रस्तुत अध्ययन वर्णनात्मक एवं सर्वेक्षण पद्धति पर आधारित है। अध्ययन हेतु 20 चयनित महाविद्यालय, 200 विद्यार्थी तथा 60 पुस्तकालय कर्मचारियों को नमूने के रूप में लिया गया है। अध्ययन में प्रश्नावली, साक्षात्कार तथा अवलोकन को प्रमुख उपकरण के रूप में शामिल किया गया है। अध्ययन के प्रमुख क्षेत्रों में पुस्तकालय स्वचालन, इंटरनेट सुविधा, ई–पुस्तक, ई–जर्नल, ऑनलाइन डेटाबेस, OPAC डिजिटल पुस्तकालय सेवाएँ तथा उपयोगकर्ता संतुष्टि शामिल हैं।

अध्ययन से ज्ञात हुआ कि अधिकांश महाविद्यालयों में इंटरनेट एवं Wi-Fi सुविधा उपलब्ध है तथा पुस्तकालय स्वचालन की प्रक्रिया निरंतर विकसित हो रही है। विद्यार्थियों द्वारा ई–पुस्तक एवं शैक्षणिक वेबसाइटों का उपयोग अपेक्षाकृत अधिक किया जाता है। अध्ययन में धीमी इंटरनेट गति, पर्याप्त कंप्यूटर की कमी तथा डिजिटल संसाधनों की जानकारी का अभाव प्रमुख समस्याओं के रूप में सामने आए। अध्ययन में यह भी पाया गया कि पुस्तकालय कर्मचारियों एवं उपयोगकर्ताओं के नियमित ICT प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

मुख्य शब्दः *महाविद्यालयीन पुस्तकालय, डिजिटल संसाधन, ई–संसाधन, पुस्तकालय स्वचालन, ICT, छत्तीसगढ़, ई–पुस्तक, डिजिटल पुस्तकालय।*

1. प्रस्तावना

पुस्तकालय किसी भी शैक्षणिक संस्था का ज्ञान केंद्र होता है। यह शिक्षण, अधिगम, अनुसंधान तथा व्यक्तित्व विकास की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। परंपरागत रूप से पुस्तकालयों का मुख्य कार्य पुस्तकों, पत्रिकाओं एवं अन्य मुद्रित सामग्री का संग्रह, संरक्षण तथा उपयोगकर्ताओं तक

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
Vol. 2, Issue 10, April 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

पहुँच सुनिश्चित करना था। परंतु सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के तीव्र विकास ने पुस्तकालयों की कार्यप्रणाली में व्यापक परिवर्तन किया है।

आज के महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में पारंपरिक पुस्तकों के साथ–साथ ई–पुस्तकें, ई–जर्नल, ऑनलाइन डेटाबेस, डिजिटल रिपॉजिटरी, इंटरनेट आधारित सूचना स्रोत तथा ऑनलाइन सेवाएँ महत्वपूर्ण हो गई हैं। पुस्तकालय स्वचालन के माध्यम से अधिग्रहण, वर्गीकरण, सूचीकरण, परिसंचरण तथा OPAC जैसी सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ राज्य में उच्च शिक्षा का निरंतर विस्तार हो रहा है। राज्य के विभिन्न जिलों में अनेक शासकीय, निजी, स्वायत्त, तकनीकी एवं व्यावसायिक महाविद्यालय संचालित हैं। इन महाविद्यालयों के पुस्तकालय विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की शैक्षणिक एवं सूचना संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डिजिटल युग में इन पुस्तकालयों के लिए आधुनिक सूचना प्रौद्योगिकी आधारित सेवाओं को अपनाना आवश्यक हो गया है।

अतः छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधनों एवं सेवाओं की उपलब्धता, उपयोग, जागरूकता एवं समस्याओं का अध्ययन करना वर्तमान समय की एक महत्वपूर्ण शोध आवश्यकता है।

2. अध्ययन की पृष्ठभूमि

सूचना प्रौद्योगिकी के विकास ने ज्ञान के उत्पादन, संग्रहण एवं प्रसार की प्रक्रिया को पूरी तरह बदल दिया है। विद्यार्थी अब केवल मुद्रित पुस्तकों पर निर्भर नहीं रहते, बल्कि इंटरनेट, ई–पुस्तकों, ई–जर्नलों, शोध डेटाबेस तथा विभिन्न शैक्षणिक वेबसाइटों का भी उपयोग करते हैं।

महाविद्यालयीन पुस्तकालयों के लिए आवश्यक है कि वे अपने उपयोगकर्ताओं को आधुनिक सूचना संसाधन उपलब्ध कराएँ। इसके लिए कंप्यूटर, इंटरनेट, Wi-Fi, पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर तथा ई–संसाधनों की उपलब्धता आवश्यक है। छत्तीसगढ़ के विभिन्न महाविद्यालयों में पुस्तकालय स्वचालन एवं डिजिटल सेवाओं का विकास हो रहा है। कुछ महाविद्यालयों में डिजिटल सुविधाएँ पर्याप्त हैं, जबकि कई महाविद्यालयों में अभी भी डिजिटल अवसंरचना के विकास की आवश्यकता है। इस प्रकार डिजिटल पुस्तकालय विकास की स्थिति सभी संस्थानों में समान नहीं है।

3. समस्या का प्रतिपादन

छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधनों एवं ICT आधारित सेवाओं का उपयोग बढ़ रहा है, लेकिन सभी महाविद्यालयों में इनकी उपलब्धता, उपयोग एवं गुणवत्ता समान नहीं है।

अतः प्रस्तुत अध्ययन की मुख्य समस्या निम्नलिखित है–

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

"छत्तीसगढ़ के चयनित महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधनों, पुस्तकालय स्वचालन तथा ICT आधारित सेवाओं की उपलब्धता एवं उपयोग की वर्तमान स्थिति क्या है?"

4. अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं–

1. छत्तीसगढ़ के चयनित महाविद्यालयीन पुस्तकालयों की वर्तमान स्थिति का अध्ययन करना।
2. पुस्तकालयों में उपलब्ध डिजिटल संसाधनों का अध्ययन करना।
3. पुस्तकालय स्वचालन की स्थिति का विश्लेषण करना।
4. पुस्तकालयों में कंप्यूटर एवं इंटरनेट सुविधाओं का अध्ययन करना।
5. ई–पुस्तकों एवं ई–जर्नलों के उपयोग का अध्ययन करना।
6. विद्यार्थियों में डिजिटल संसाधनों के प्रति जागरूकता का अध्ययन करना।
7. डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं से उपयोगकर्ता संतुष्टि का अध्ययन करना।
8. पुस्तकालय कर्मचारियों के ICT प्रशिक्षण की स्थिति का अध्ययन करना।
9. डिजिटल सेवाओं के उपयोग में आने वाली समस्याओं की पहचान करना।
10. महाविद्यालयीन पुस्तकालयों के डिजिटल विकास हेतु सुझाव प्रस्तुत करना।

5. अनुसंधान प्रश्न

1. चयनित महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में स्वचालन की क्या स्थिति है?
2. क्या महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में पर्याप्त डिजिटल संसाधन उपलब्ध हैं?
3. क्या विद्यार्थियों को ई–संसाधनों की पर्याप्त जानकारी है?
4. विद्यार्थी किन प्रकार के डिजिटल संसाधनों का अधिक उपयोग करते हैं?
5. डिजिटल संसाधनों का उपयोग मुख्यतः किस उद्देश्य के लिए किया जाता है?
6. उपयोगकर्ता डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं से कितने संतुष्ट हैं?
7. डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं के उपयोग में प्रमुख समस्याएँ क्या हैं?
8. पुस्तकालय कर्मचारियों को किस प्रकार के ICT प्रशिक्षण की आवश्यकता है?

6. परिकल्पनाएँ

1. चयनित महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में डिजिटल संसाधनों का उपयोग बढ़ रहा है।
2. पुस्तकालय स्वचालन से पुस्तकालय सेवाओं की कार्यक्षमता में वृद्धि होती है।
3. विद्यार्थियों में डिजिटल संसाधनों के प्रति जागरूकता एवं उपयोग में सकारात्मक संबंध है।

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

4. पर्याप्त ICT अवसंरचना वाले पुस्तकालयों में उपयोगकर्ता संतुष्टि अधिक होती है।

5. पुस्तकालय कर्मचारियों का ICT प्रशिक्षण डिजिटल सेवाओं के प्रभावी संचालन में सहायक होता है।

7. साहित्य समीक्षा

छत्तीसगढ़ के शैक्षणिक पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी, पुस्तकालय स्वचालन एवं डिजिटल संसाधनों के उपयोग पर विभिन्न शोध किए गए हैं।

Gurikar एवं Mukherjee ने छत्तीसगढ़ के उच्च शिक्षा संस्थानों के शैक्षणिक पुस्तकालयों में सूचना प्रौद्योगिकी के उपयोग का अध्ययन किया। अध्ययन में पुस्तकालय स्वचालन, डिजिटल संसाधनों एवं तकनीकी सुविधाओं के विकास की आवश्यकता पर बल दिया गया।

Kumari एवं Verma ने छत्तीसगढ़ के चयनित विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में डिजिटल युग के पुस्तकालय प्रबंधन का अध्ययन किया तथा आधुनिक सूचना संसाधनों के महत्व को स्पष्ट किया।

डीपचंस एवं टमतउं ने छत्तीसगढ़ के कृषि महाविद्यालय पुस्तकालयों में उपलब्ध संसाधनों एवं सेवाओं के उपयोग का अध्ययन किया। अध्ययन में ICT आधारित पुस्तकालय सेवाओं के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

हाल के अध्ययनों में छत्तीसगढ़ के पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में पुस्तकालय स्वचालन एवं इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों के उपयोग की स्थिति पर भी अध्ययन किया गया है। इन अध्ययनों से स्पष्ट होता है कि राज्य के शैक्षणिक पुस्तकालय डिजिटल परिवर्तन की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं।

8. अनुसंधान पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक एवं सर्वेक्षण अनुसंधान पद्धति का उपयोग किया गया है।

8.1 अध्ययन क्षेत्र

छत्तीसगढ़ राज्य के चयनित शासकीय, निजी एवं स्वायत्त महाविद्यालय।

8.2 नमूना

अध्ययन हेतु निम्नलिखित नमूना लिया गया–

उत्तरदाता	संख्या
चयनित महाविद्यालय	20
विद्यार्थी	200
पुस्तकालय कर्मचारी	60

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

8.3 डेटा संकलन के उपकरण

1. प्रश्नावली
2. साक्षात्कार
3. अवलोकन
4. पुस्तकालय अभिलेख
5. पुस्तकालय सेवाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण

8.4 डेटा विश्लेषण

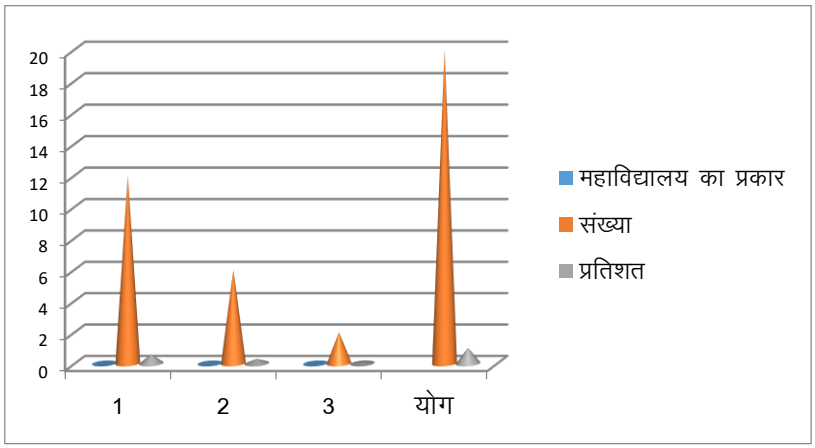
प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण निम्न आधारों पर किया गयाकृ

- प्रतिशत
- तालिकाएँ
- बार ग्राफ
- तुलनात्मक विश्लेषण

9. डेटा विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका कमांक 01: चयनित महाविद्यालयों का प्रकार

क्रमांक	महाविद्यालय का प्रकार	संख्या	प्रतिशत
1	शासकीय महाविद्यालय	12	60%
2	निजी महाविद्यालय	6	30%
3	स्वायत्त महाविद्यालय	2	10%
योग		**20**	**100%**



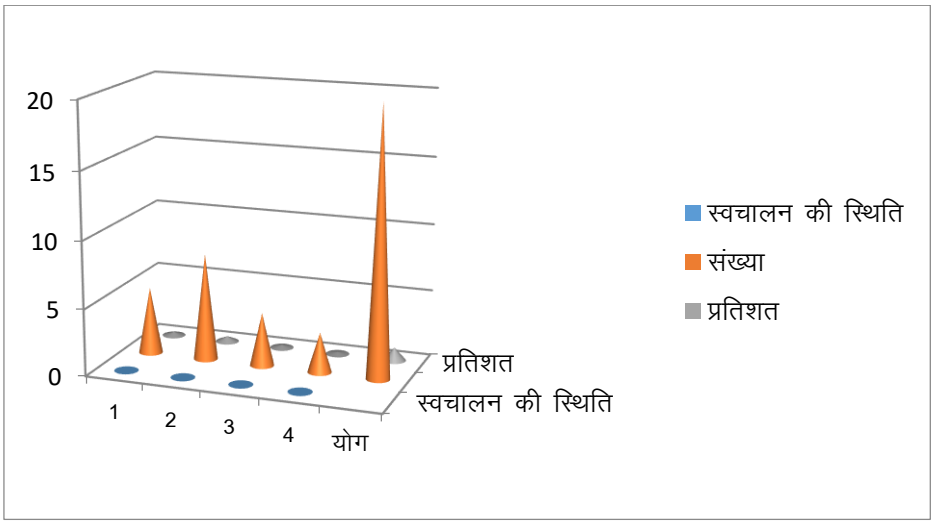
ग्राफ कमांक 01: चयनित महाविद्यालयों का प्रकार

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

तालिका क्रमांक 01 से स्पष्ट है कि अध्ययन में कुल 20 महाविद्यालयों को शामिल किया गया। इनमें 60% शासकीय, 30% निजी तथा 10% स्वायत्त महाविद्यालय हैं। अध्ययन में शासकीय महाविद्यालयों का प्रतिनिधित्व सबसे अधिक है।

तालिका क्रमांक 02: पुस्तकालय स्वचालन की स्थिति

क्रमांक	स्वचालन की स्थिति	संख्या	प्रतिशत
1	पूर्णतः स्वचालित	5	25%
2	आंशिक रूप से स्वचालित	8	40%
3	प्रारंभिक अवस्था में	4	20%
4	स्वचालित नहीं	3	15%
योग		20	100%



ग्राफ क्रमांक 02: पुस्तकालय स्वचालन की स्थिति

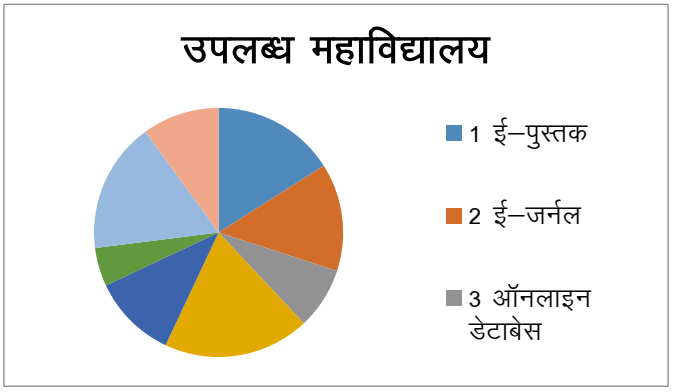
तालिका क्रमांक 02 से स्पष्ट है कि 40% महाविद्यालयीन पुस्तकालय आंशिक रूप से स्वचालित हैं। 25% पुस्तकालय पूर्णतः स्वचालित पाए गए। इससे स्पष्ट होता है कि पुस्तकालय स्वचालन की प्रक्रिया प्रगति पर है, लेकिन सभी पुस्तकालयों में पूर्ण स्वचालन अभी लागू नहीं हुआ है।

तालिका क्रमांक 03: चयनित महाविद्यालयों में उपलब्ध डिजिटल संसाधन

क्रमांक	डिजिटल संसाधन/सुविधा	उपलब्ध महाविद्यालय	प्रतिशत
1	ई–पुस्तक	16	80%
2	ई–जर्नल	14	70%
3	ऑनलाइन डेटाबेस	8	40%
4	इंटरनेट सुविधा	19	95%
5	OPAC	11	55%
6	संस्थागत रिपॉजिटरी	5	25%

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

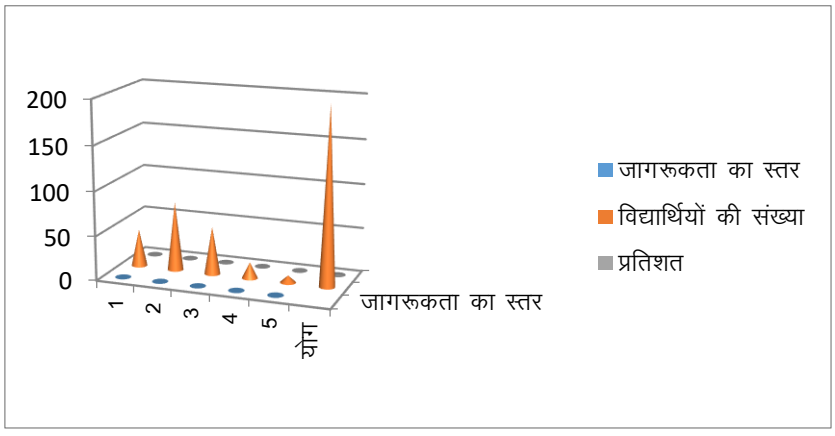
7	Wi-Fi सुविधा	17	85%
8	डिजिटल पुस्तकालय सेवा	10	50%



तालिका क्रमांक 03 : 95% महाविद्यालयों में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है। Wi-Fi सुविधा 85% तथा ई–पुस्तक सुविधा 80% महाविद्यालयों में उपलब्ध है। संस्थागत रिपॉजिटरी केवल 25% महाविद्यालयों में उपलब्ध पाई गई। इससे उन्नत डिजिटल सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता स्पष्ट होती है।

तालिका क्रमांक 04: विद्यार्थियों में ई–संसाधनों की जागरूकता

क्रमांक	जागरूकता का स्तर	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	अत्यधिक जागरूक	42	21%
2	जागरूक	78	39%
3	आंशिक रूप से जागरूक	54	27%
4	कम जागरूक	18	9%
5	बिल्कुल जागरूक नहीं	8	4%
योग		200	100%



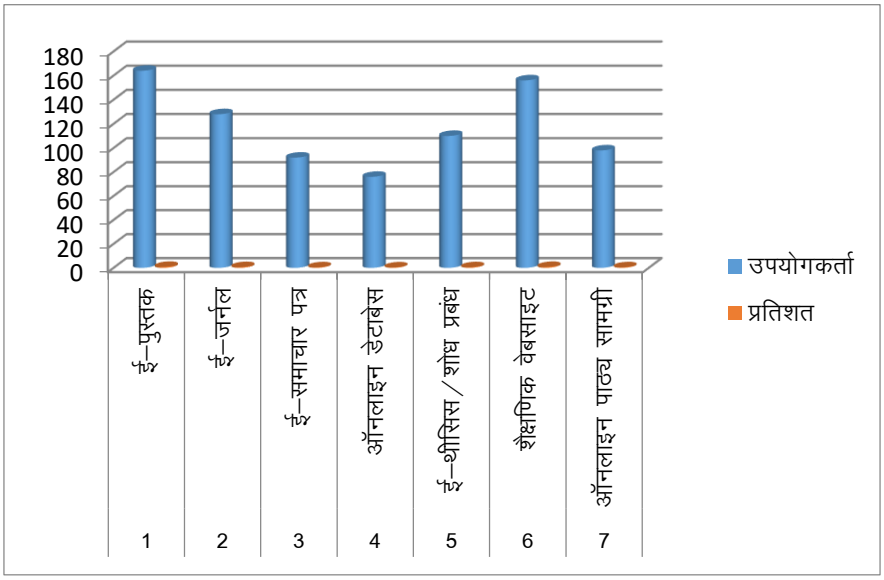
ग्राफ क्रमांक 04: विद्यार्थियों में ई–संसाधनों की जागरूकता

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
Vol. 2, Issue 10, April 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

तालिका क्रमांक 04 60% विद्यार्थी अत्यधिक जागरूक अथवा जागरूक पाए गए। फिर भी 27% विद्यार्थी केवल आंशिक रूप से जागरूक हैं। यह स्थिति सूचना साक्षरता एवं उपयोगकर्ता प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता को दर्शाती है।

तालिका क्रमांक 05: विद्यार्थियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले ई–संसाधन

क्रमांक	ई–संसाधन	उपयोगकर्ता	प्रतिशत
1	ई–पुस्तक	164	82%
2	ई–जर्नल	128	64%
3	ई–समाचार पत्र	92	46%
4	ऑनलाइन डेटाबेस	76	38%
5	ई–थीसिस / शोध प्रबंध	110	55%
6	शैक्षणिक वेबसाइट	156	78%
7	ऑनलाइन पाठ्य सामग्री	98	49%



ग्राफ क्रमांक 05: विद्यार्थियों द्वारा उपयोग किए जाने वाले ई–संसाधन

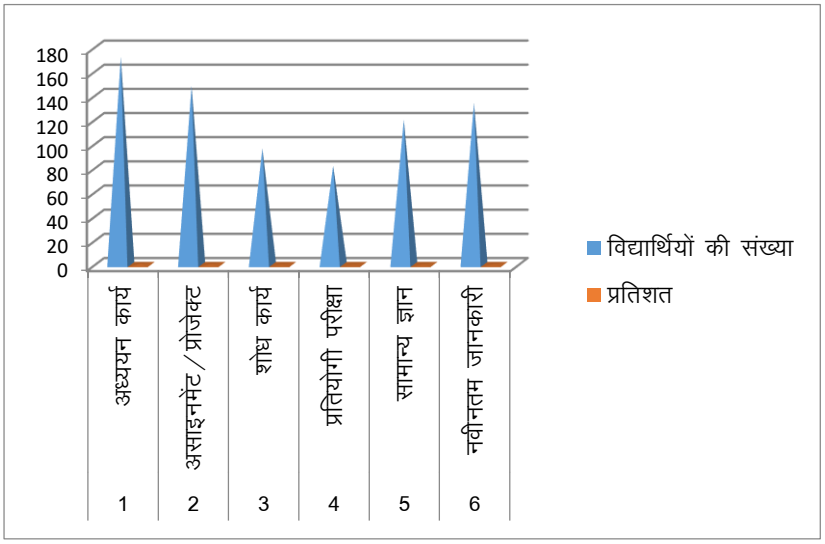
तालिका क्रमांक 05: ई–पुस्तक का उपयोग सबसे अधिक 82% पाया गया। इसके बाद 78% विद्यार्थी शैक्षणिक वेबसाइटों तथा 64% विद्यार्थी ई–जर्नल का उपयोग करते हैं। ऑनलाइन डेटाबेस का उपयोग अपेक्षाकृत कम है।

तालिका क्रमांक 06: डिजिटल संसाधनों के उपयोग का उद्देश्य

क्रमांक	उपयोग का उद्देश्य	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	अध्ययन कार्य	172	86%
2	असाइनमेंट / प्रोजेक्ट	148	74%
3	शोध कार्य	96	48%

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
Vol. 2, Issue 10, April 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

4	प्रतियोगी परीक्षा	82	41%
5	सामान्य ज्ञान	120	60%
6	नवीनतम जानकारी	134	67%



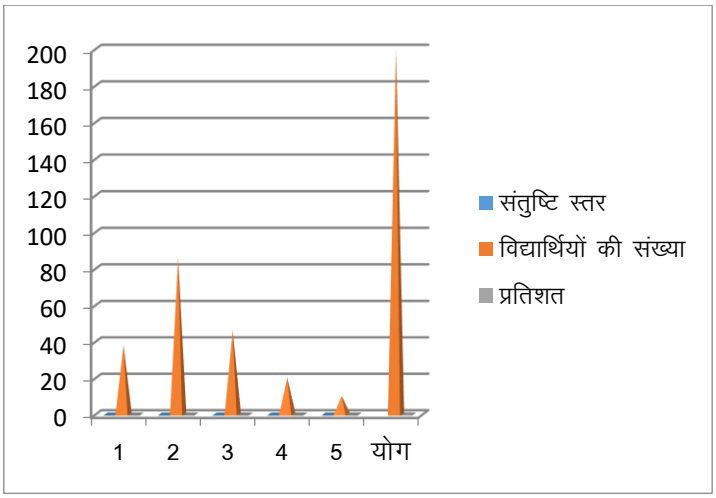
ग्राफ क्रमांक 06: डिजिटल संसाधनों के उपयोग का उद्देश्य

तालिका क्रमांक 06: डिजिटल संसाधनों का उपयोग मुख्यतः अध्ययन कार्य के लिए किया जाता है। 86% विद्यार्थियों ने अध्ययन कार्य को प्रमुख उद्देश्य बताया, जबकि 74% विद्यार्थियों ने असाइनमेंट एवं प्रोजेक्ट के लिए इन संसाधनों का उपयोग किया।

तालिका क्रमांक 07: डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं से उपयोगकर्ता संतुष्टि

क्रमांक	संतुष्टि स्तर	विद्यार्थियों की संख्या	प्रतिशत
1	अत्यधिक संतुष्ट	38	19%
2	संतुष्ट	86	43%
3	सामान्य	46	23%
4	असंतुष्ट	20	10%
5	अत्यधिक असंतुष्ट	10	5%
योग		**200**	**100%**

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
Vol. 2, Issue 10, April 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/



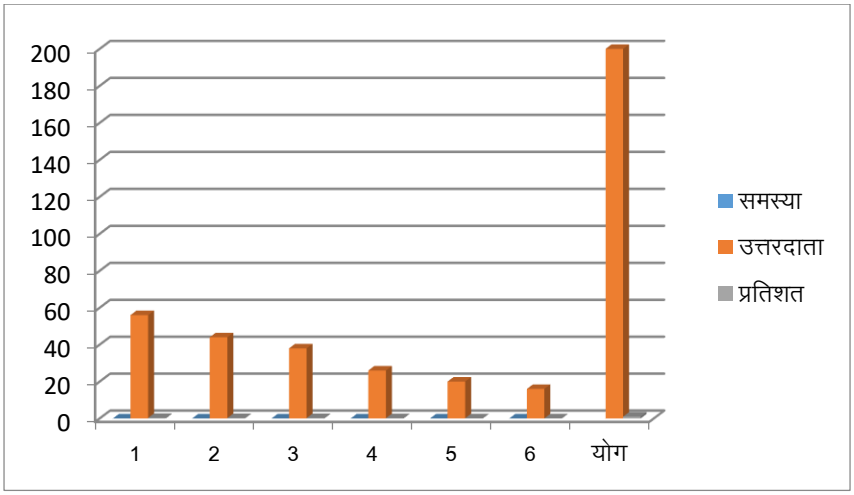
ग्राफ क्रमांक 07: डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं से उपयोगकर्ता संतुष्टि

तालिका क्रमांक 07: कुल 62% विद्यार्थी डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं से संतुष्ट या अत्यधिक संतुष्ट हैं। इससे डिजिटल सेवाओं के प्रति सकारात्मक रुझान दिखाई देता है, किंतु 15% विद्यार्थियों की असंतुष्टि सुधार की आवश्यकता को दर्शाती है।

तालिका क्रमांक 08: डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं के उपयोग में प्रमुख समस्याएँ

क्रमांक	समस्या	उत्तरदाता	प्रतिशत
1	इंटरनेट की धीमी गति	56	28%
2	ई–संसाधनों की जानकारी का अभाव	44	22%
3	पर्याप्त कंप्यूटर की कमी	38	19%
4	तकनीकी समस्या	26	13%
5	प्रशिक्षित कर्मचारियों की कमी	20	10%
6	आवश्यक सामग्री उपलब्ध नहीं	16	8%
योग		**200**	**100%**

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
Vol. 2, Issue 10, April 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

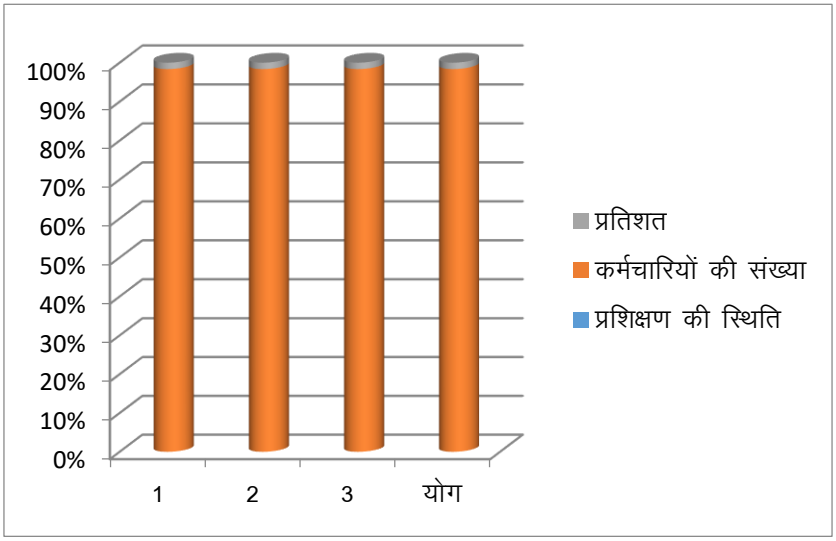


ग्राफ क्रमांक 08: डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं के उपयोग में प्रमुख समस्याएँ

तालिका क्रमांक 08: इंटरनेट की धीमी गति सबसे बड़ी समस्या पाई गई। इसके बाद ई–संसाधनों की जानकारी का अभाव तथा पर्याप्त कंप्यूटरों की कमी प्रमुख समस्याएँ हैं।

तालिका क्रमांक 09: पुस्तकालय कर्मचारियों के ICT प्रशिक्षण की स्थिति

क्रमांक	प्रशिक्षण की स्थिति	कर्मचारियों की संख्या	प्रतिशत
1	पूर्ण रूप से प्रशिक्षित	18	30%
2	आंशिक रूप से प्रशिक्षित	24	40%
3	प्रशिक्षण की आवश्यकता	18	30%
योग		**60**	**100%**



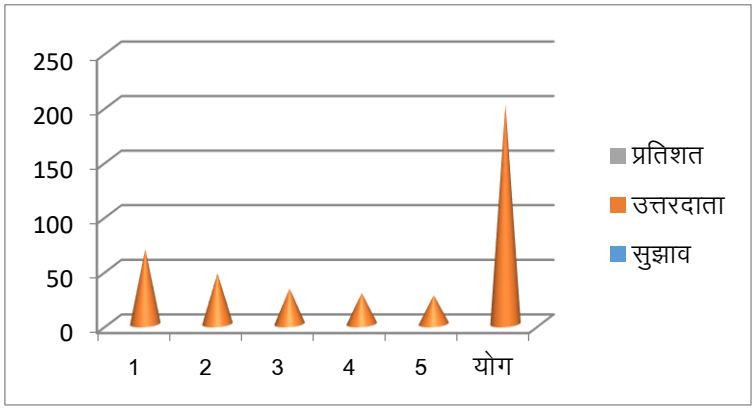
ग्राफ क्रमांक 09: पुस्तकालय कर्मचारियों के ICT प्रशिक्षण की स्थिति

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

तालिका क्रमांक 09: 40% पुस्तकालय कर्मचारी आंशिक रूप से ICT प्रशिक्षित हैं। 30% कर्मचारियों को अतिरिक्त प्रशिक्षण की आवश्यकता है। इससे स्पष्ट है कि पुस्तकालय कर्मचारियों के नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता है।

तालिका क्रमांक 10: डिजिटल विकास हेतु प्रमुख सुझाव

क्रमांक	सुझाव	उत्तरदाता	प्रतिशत
1	हाई–स्पीड इंटरनेट	68	34%
2	अधिक ई–संसाधन	46	23%
3	विद्यार्थियों को प्रशिक्षण	32	16%
4	अधिक कंप्यूटर	28	14%
5	कर्मचारियों को ICT प्रशिक्षण	26	13%
योग		**200**	**100%**



ग्राफ क्रमांक 10: डिजिटल विकास हेतु प्रमुख सुझाव

तालिका क्रमांक 10: 34% उत्तरदाताओं ने हाई–स्पीड इंटरनेट सुविधा को सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता माना। इसके बाद अधिक ई–संसाधन तथा विद्यार्थियों के प्रशिक्षण को प्रमुख सुझाव के रूप में प्रस्तुत किया गया।

10. प्रमुख निष्कर्ष

अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित प्रमुख निष्कर्ष प्राप्त हुए है–

1. छत्तीसगढ़ के चयनित महाविद्यालयों में डिजिटल परिवर्तन की प्रक्रिया निरंतर बढ़ रही है।
2. अधिकांश महाविद्यालयों में इंटरनेट सुविधा उपलब्ध है।
3. Wi-Fi तथा ई–पुस्तकों की उपलब्धता अपेक्षाकृत अच्छी है।
4. अधिकांश पुस्तकालय आंशिक रूप से स्वचालित हैं।
5. सभी पुस्तकालयों में पूर्ण स्वचालन की स्थिति अभी नहीं है।

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

6. विद्यार्थियों में ई–संसाधनों के प्रति जागरूकता संतोषजनक है।
7. ई–पुस्तक एवं शैक्षणिक वेबसाइटों का उपयोग सबसे अधिक किया जाता है।
8. डिजिटल संसाधनों का मुख्य उपयोग अध्ययन एवं असाइनमेंट के लिए किया जाता है।
9. अधिकांश विद्यार्थी डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं से संतुष्ट हैं।
10. इंटरनेट की धीमी गति प्रमुख समस्या है।
11. पुस्तकालय कर्मचारियों के नियमित ICT प्रशिक्षण की आवश्यकता है।
12. ऑनलाइन डेटाबेस एवं संस्थागत रिपॉजिटरी की उपलब्धता बढ़ाने की आवश्यकता है।

11. सुझाव

अध्ययन के आधार पर निम्नलिखित सुझाव दिए जाते हैं–

1. सभी महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में चरणबद्ध रूप से पूर्ण पुस्तकालय स्वचालन लागू किया जाए।
2. उच्च गति इंटरनेट एवं Wi-Fi सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
3. पुस्तकालयों में पर्याप्त कंप्यूटर स्थापित किए जाएँ।
4. ई–पुस्तक एवं ई–जर्नल की संख्या बढ़ाई जाए।
5. ऑनलाइन शोध डेटाबेस तक पहुँच उपलब्ध कराई जाए।
6. विद्यार्थियों के लिए ई–संसाधन उपयोग प्रशिक्षण आयोजित किया जाए।
7. पुस्तकालय कर्मचारियों को नियमित ICT प्रशिक्षण दिया जाए।
8. संस्थागत डिजिटल रिपॉजिटरी विकसित की जाए।
9. प्रत्येक महाविद्यालय में OPAC सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
10. डिजिटल पुस्तकालय विकास के लिए पर्याप्त बजट निर्धारित किया जाए।

12. निष्कर्ष

छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयीन पुस्तकालय उच्च शिक्षा व्यवस्था का महत्वपूर्ण भाग हैं। डिजिटल युग में इन पुस्तकालयों की भूमिका केवल पुस्तकों के संग्रह तक सीमित नहीं रह सकती। विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की बदलती सूचना आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए डिजिटल संसाधनों, ई–संसाधनों, पुस्तकालय स्वचालन तथा ऑनलाइन सेवाओं का विस्तार आवश्यक है।

अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि चयनित महाविद्यालयों में डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं का विकास हो रहा है। इंटरनेट, Wi-Fi, ई–पुस्तक एवं ई–जर्नल जैसी सुविधाओं की उपलब्धता बढ़ रही है। इसके बावजूद ऑनलाइन डेटाबेस, संस्थागत रिपॉजिटरी, पूर्ण स्वचालन तथा प्रशिक्षित मानव संसाधन जैसे क्षेत्रों में अभी और सुधार की आवश्यकता है।

विद्यार्थियों में डिजिटल संसाधनों के उपयोग के प्रति सकारात्मक रुझान पाया गया। अधिकांश विद्यार्थी अध्ययन, असाइनमेंट एवं नवीनतम जानकारी प्राप्त करने के लिए डिजिटल संसाधनों का उपयोग करते हैं। डिजिटल पुस्तकालय सेवाओं से उपयोगकर्ता संतुष्टि भी संतोषजनक पाई गई।

SHODH PRAKASHAN
An International Open Access, Peer Reviewed, Refereed Journal
ISSN : 2583-9861
VOL. 2, ISSUE 10, APRIL 2025
Available Online : http://shodhprakashan.in/

अतः यह निष्कर्ष निकाला जा सकता है कि छत्तीसगढ़ के महाविद्यालयीन पुस्तकालयों में डिजिटल विकास की व्यापक संभावनाएँ हैं। यदि पर्याप्त वित्तीय सहायता, तकनीकी अवसंरचना, प्रशिक्षित मानव संसाधन तथा उपयोगकर्ता प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, तो ये पुस्तकालय उच्च शिक्षा एवं अनुसंधान के विकास में और अधिक प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं।

संदर्भ सूची

- Gurikar, R., & Mukherjee, B. (2015). Information technology usage scenario in academic libraries of higher education in Chhattisgarh: Challenges and opportunities. *DESIDOC Journal of Library & Information Technology*, *35*(4), 273–280.
- Kumari, P., & Verma, M. (2017). Library management in digital era: A study with special reference to selected university libraries of Chhattisgarh. *Asian Journal of Management, 8*(2), 235–240.
- Mahipal, D. S., & Verma, M. (2021). An evaluation of using library resources and services by the agriculture scientists in postgraduate agriculture college libraries: Special reference to Chhattisgarh, India. *Annals of Library and Information Studies*.
- Neelam, & Sahu, H. K. (2025). Library automation in government polytechnic colleges affiliated to CSVTU, Chhattisgarh. *Journal of Ravishankar University (Part-A: Social Science), 31*(2), 56–63.
- Kashyap, S. R., & Kumar, P. (2024). A study on use of electronic resources and services by users of Pt. Sundarlal Sharma Library, PRSU Raipur, Chhattisgarh. *Journal of Ravishankar University (Part-A: Social Science).*
- Khunte, V. K., & Kashyap, S. R. (2025). Use and awareness of electronic resources by library users in selected colleges of Dhamtari district, Chhattisgarh. *Journal of Ravishankar University (Part-A: Social Science), 31*(1).
- Saxena, N. N. (2009). *Exploring internet based digital libraries for academic institutions: A comprehensive study of libraries in the M.P. and Chhattisgarh states* (Doctoral thesis). Guru Ghasidas University.
- Singh, A., & Padhi, B. K. (2024). A study of availability of information infrastructure in engineering college libraries of Chhattisgarh. *Journal of Advances and Scholarly Researches in Allied Education.*